www.a2zpapers.com

Exam. Code : 216302

Subject Code : 4447

M.A. (Hindi) Semester—II

PASHCHATYA KAVYASHASTRA

Paper—VIII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

निर्देश :—यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग—एक

निर्देश :—निम्नलिखित लघु प्रश्नों में से किन्हीं आठ के उत्तर दीजिए। 8×6=48

1. प्लेटो के अनुसार काव्य का उद्देश्य क्या है ?
2. प्लेटो के प्रत्ययवाद से आप क्या समझते हैं ?
3. प्लेटो के काव्य संबंधी विचार बताइए।
4. अरस्तू के अनुसार अनुकरण क्या है ?
5. अरस्तू के विरेचन सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।
6. लोंजाइनस ने उदात्त के स्रोत कौन-कौन से माने हैं ?
7. मैथ्यू आर्नाल्ड द्वारा प्रतिपादित आलोचना के स्वरूपगत प्रकार कौन से हैं ?
8. रिचर्डस के काव्यभाषा पर विचार बताइए।
9. इलियट के अनुसार परम्परा की अवधारणा क्या है ?

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

10. अस्तित्ववाद पर सारगर्भित ढंग से विचार कीजिए।

11. संरचनावाद पर नोट लिखिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा कीजिए :

"हैं तैरते रूप, काँच के पीछे,
हाँप रही है मछली
रूप-तृषा भी रूप तृषा भी"
(और काँच के पीछे)
है जिजीविषा।"

भाग—दो

निर्देश :—निम्नलिखित किन्हीं दो प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 16×2=32

1. अरस्तू द्वारा प्रदत्त त्रासदी-विवेचन पर विचार कीजिए।

2. आई.ए. रिचर्डस की व्यावहारिक आलोचना पर प्रकाश डालिए।

3. अभिव्यंजनावाद की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए इसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

www.a2zpapers.com